पोषण माह एवं गरीब कल्याण सप्ताह अंतर्गत पोषण महोत्सव कार्यक्रम संक्षेपिका

सुपोषित मध्यप्रदेश की ओर.....

दिनांक 17.09.2020 के पोषण माह एवं गरीब कल्याण सप्ताह अंतर्गत माननीय मुख्यमंत्री जी की अध्यक्षता में कुपोषण से मुक्ति की कार्ययोजना के संबंध में सरपंचों का उन्मुखीकरण, आंगनवाडी केन्द्रों में बच्चों को दुग्ध वितरण तथा लाड़ली लक्ष्मी योजना के अंतर्गत छात्रवृत्ति का वितरण कार्यक्रम प्रातः 12:00 बजे से 1:30 बजे तक आयोजित है। माननीय मुख्यमंत्री जी, मुख्यमंत्री सचिवालय से कार्यक्रम में शामिल होंगें।

इस कार्यक्रम में सभी जिला मुख्यालय, नगरीय निकाय, जनपद स्तर व ग्राम पंचायत स्तर से अधिकारी व जनप्रतिनिधि वेबलिंक के माध्यम से सम्मिलित होगें। कार्यक्रम हेतु वेबरूम की लिंक व्हॉटसअप एवं ई–मेल के माध्यम से Interactive Mode वाले जिलों को दी जायेगी। वेबकॉस्ट की लिंक व्हॉटसअप, एमआईएस एवं फेसबुक के माध्यम से प्रसारित की जायेगी। कार्यक्रम के संबंध में Use #tags (#Suposhitmp, #poshansarkar, #poshanmaah2020, #kuposhanmuktmp, #Localvoice4nutrition & #poshanmatka) का उपयोग किया जावेगा।

जिला स्तर पर लगभग 5000, विकासखण्ड स्तर पर 20000, ग्राम पंचायत स्तर पर 11.75 लाख, विभागीय आंगनवाड़ी कार्यकर्ता/सहायिका/स्व सहायता समूहों की महिलाए/ समुदाय आधारित संगठनों के 3 लाख, इस प्रकार कार्यक्रम में लगभग 15.00 लाख प्रतिभागियों की सहभागिता अपेक्षित है।

- सुपोषित प्रदेश के संकल्प हेतु 97,135 ग्राम/शहरी वार्ड की, 52 जिलों की एवं राज्य की पोषण प्रबंधन रणनीति तैयार
- लगभग 8 लाख कुपोषित बच्चों को पौष्टिक सुगंधित दूध वितरण
- लाड़ली लक्ष्मी योजना अंतर्गत अब तक कुल 36 लाख से अधिक बालिकाओं का पंजीकरण
- कुल 356443 बालिकाओं को राशि रूपये 75.55 करोड़ की छात्रवृत्ति का भुगतान
- प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (PMMVY) के तहत् लगभग 10.12 करोड़ राशि, 50 हजार से अधिक हितग्राहियों को वितरित की जा रही है
- डिंडौरी जिले के तेजस्विनी समूहों द्वारा कोदों बर्फी एवं कोदों खिचड़ी का उत्पादन

- **601 नवीन आंगनवाड़ी भवनों का लोकार्पण**
- लगभग 50000 आंगनवाड़ी केन्द्रों पर न्युट्री गार्डन के तहत् वृक्षारोपण
- सभी ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकायों के माननीय सदस्यों द्वारा कुपोषण मुक्त मध्यप्रदेश हेतु पोषण संकल्प

पोषण माह का शुभारम्भ

कुपोषण के दुष्चक्र को तोड़ते हुये प्रदेश को कुपोषण मुक्त बनाने के लिए ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकायों की सहभागिता और दायित्व निर्धारण।

सुपोषित मध्यप्रदेश 2030 का संकल्प

- **सुपोषित बच्चे** – सभी प्रकार के कुपोषण को खत्म करते हुये मौजूदा बाल मृत्यु दर 56 (आधार वर्ष 2018–एसआरएस) से घटाकर 25 प्रति 1000 जीवित जन्मो तक लाना (दीर्घावधि लक्ष्य)
- **सुपोषित मातृत्व** – प्रदेश की मातृ स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ करते हुये मौजूदा मातृ मृत्यु दर 173 (प्रति 100000 लाख जीवित जन्म) से घटाकर 70 तक लाना एवं इस हेतु सुरक्षित मातृत्व सुनिश्चित करना प्रदेश सरकार की प्राथमिकता।
- **सुपोषित किशोरवय** – प्रदेश की किशोरी बेटियों में एनीमिया खत्म करना, बाल विवाह प्रथा को समाप्त करना व कौशल उन्नयन के अवसर आदि प्रदाय करना

राज्य पोषण प्रबंधन रणनीति अन्तर्गत त्रि स्तरीय कार्ययोजना

सुपोषित प्रदेश के संकल्प के साथ भारत सरकार के महत्वांकाक्षी पोषण अभियान अन्तर्गत राज्य, प्रत्येक जिला एवं प्रत्येक ग्राम/शहरी वार्ड की पोषण प्रबंधन रणनीति का अंगीकरण।

सभी विभागों के अभिसरण/समन्वय से तैयार इस त्रि–स्तरीय रणनीति में अल्प, मध्य एवं दीर्घकालीन लक्ष्य निर्धारण कर कार्ययोजना तैयार की गई है–

1.1. **अल्पकालीन रणनीति (समय अवधि वर्ष 2022)** : आधारभूत ढांचा एवं मानव संसाधनों की दक्षता वृद्धि कर पोषण विशेष एवं पोषण संवेदी हस्तक्षेपो को सुनिश्चित करना

1.2. **मध्यावधि रणनीति (समय अवधि वर्ष 2025):–** अल्पकालीन रणनीति अंतर्गत किये गये प्रयासों को जारी रखते हुये, सेवा क्षेत्र प्रसार, प्रारम्भिक बाल शिक्षा एवं देखभाल हेतु केन्द्रो का सुदृढ़ीकरण, सामाजिक संपरीक्षा एवं शिकायत निवारण प्रणाली को विकसित करना

1.3. **दीर्घकालीन रणनीति (समय अवधि वर्ष 2030):–** प्रभावी हस्तक्षेपों के क्रियान्वयन, निरंतरता के अतिरिक्त स्वास्थ्य एवं पोषण सेवाओं का सामुदायिकरण कर सुपोषित मध्यप्रदेश बनाना। पोषण संवेदी कृषि प्रणाली को विकसित करना एवं समुदाय के व्यवहार में लाने हेतु प्रयास।

गंभीर कुपोषित बच्चों का समुदाय आधारित प्रबंधन एवं दुग्ध वितरण प्रारम्भ

- **सघन वजन अभियानः–** पोषण माह अन्तर्गत प्रदेश के सभी पंचायत/ नगरीय निकायों में विभाग द्वारा सघन वजन अभियान का क्रियान्वयन किया जा रहा है। जिससे आंगनवाड़ीवार अति गंभीर कुपोषित बच्चों का चिन्हांकन कर उनकी सूची सभी पंचायतों से साझा की जायेगी।
- प्रदेश में सभी कुपोषित बच्चों को आंगनवाड़ी केन्द्र स्तर पर प्रबन्धन के दौरान पौष्टिक सुगंधित दूध प्रदाय किया जावेगा।
- अति गंभीर कुपोषित बच्चों के समुदाय आधारित पोषण प्रबंधन (CSAM) हेतु सभी मैदानी कार्यकताओं (आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा एवं एएनएम) को प्रशिक्षण दिया जावेगा।

लाड़ली लक्ष्मी योजना :– योजना प्रारंभ वर्ष 2007 में लाड़ली लक्ष्मी योजना अंतर्गत 40 हजार बालिकाऐं लाभांवित हो सकी थी। अभी तक कुल 35 लाख से अधिक बालिकाओं को राशि रूपये 75.55 करोड़ की राशि का छात्रवृत्ति के रूप में भुगतान किया जा चुका है।

प्रदेश की बालिकाओं को मिलने वाले लाभ को स्थायी बनाने हेतु सरकार द्वारा ''मध्यप्रदेश लाड़ली लक्ष्मी (बालिका प्रोत्साहन) अधिनियम, 2018 (दो हजार अठारह) लागू किया गया, जो प्रत्येक पात्र बालिका को मिलने वाली राशि की गारन्टी प्रदान करता है।

यूनीसेफ द्वारा स्वतंत्र रूप से कराये गये अध्ययन पश्चात् जारी किये गये सर्वेक्षण में लाड़ली लक्ष्मी योजना के संबंध में निम्न तथ्य रेखांकित किये गये हैः–

- प्राथमिक सर्वेक्षण के अनुसार बाल विवाह के मामलों में कमी आई है।
- बालिकाओं के शिक्षा एवं स्वास्थ्य के स्तर में सुधार पाया गया।
- लाड़ली लक्ष्मी योजना में पंजीकृत हितग्राहियों की बढ़ती हुई संख्या एवं उनकी उत्तरोत्तर शैक्षणिक प्रगति को देखते हुये योजना अपने उद्देश्य **''स्वावलंबी बालिका – सशक्त समाज का आधार''** की पूर्ति करने में सफल हो रही है।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (PMMVY) :–प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना अंतर्गत वर्ष 2020–21 में 2.44 लाख महिलाओं को लाभान्वित कर इन्हें कुल राशि रूपये 115 करोड़ का भुगतान किया गया है।

प्रदेश द्वारा पोषण माह में विशेष गतिविधियां

1. **साझी सेहत :** पोषण विशेष एवं पोषण संवेदी हस्तक्षेप हेतु सभी विभागों में प्रभावी समन्वय हेतु **''साझी सेहत''** अन्तर्गत सभी विभागों द्वारा ग्राम/नगर स्तर पर समन्वित प्रयास किया जावेगा।

2. **अन्नपूर्णा पंचायत/नगरीय निकाय** की संकल्पना के अनुसार सामुदायिक स्तर पर खाद्य सामग्रियों यथा अनाज, फल, हरी साग–सब्जियां आदि का संग्रहण कर उन्हे अति कम वजन एवं अति गंभीर कुपोषित बच्चों के आहार में पोषकता बढ़ाने हेतु संबंधित परिवारों को प्रदाय किया जावेगा जिससें समुदाय एवं परिवार के साझा प्रयास से बच्चों को सामान्य पोषण स्तर पर लाया जा सके।

3. **पोषण मटका** अति कम वजन/अति गंभीर कुपोषित बच्चे के परिवार के साथ ग्राम/नगर क्षेत्र के समृद्ध किसान/परिवारों से सहयोग लेकर **पोषण मटका** के माध्यम से खाद्य सामग्री/फल–सब्जी/अनाज/ उत्तम खाद्य का आदान–प्रदान कर साझा करना।

4. **सामुदायिक पोषण रसोई** अन्नपूर्णा पंचायत अवधारणा अन्तर्गत समुदाय के स्तर पर ग्राम के/नगर वार्ड के सभी परिवारों के सहयोग से खाद्य सामग्री के आदान–प्रदान को व्यवहार मे लाने हेतु प्रयास किया जाना है।

5. **साप्ताहिक बाल भोजः** प्रति सप्ताह शनिवार को 06 माह से 06 वर्ष के बच्चे हेतु समुदाय के सहयोग से गाँव की परम्परागत भोजन तैयार कर बाल भोज का आयोजन पूरे प्रदेश में किया जावेगा। ग्राम स्तर पर सामान्य एवं प्रमुखता से खाए जाने वाले व्यंजनो को बनाने की विधि का आंगनवाड़ी केन्द्र मे प्रदर्शन किया जायेगा।

6. **पोषण वाटिकाः** पोषण अभियान के अन्तर्गत प्रदेश के सभी ग्राम/नगरीय क्षेत्रों में 50000 आंगनवाड़ी केन्द्र एवं परिवारों विशेषकर कुपोषित बच्चों के परिवार स्तर पर **पोषण वाटिका** की स्थापना करने का लक्ष्य रखा गया है जिससे परिवार व हितग्राहियों के मध्य पोषण विविद्यता को सुनिश्चित किया जा सके।

7. **आंगनवाड़ी भवनों का लोकार्पणः** आंगनवाड़ी सेवाओं में समुदाय की भागीदारी को बढ़ाने एवं सेवाओं की गुणवत्ता के लिये आवश्यक है कि सेवाओं को बेहतर परिवेश में प्रदाय किया जावे। इस हेतु 601 नवीन आंगनवाड़ी भवनों का लोकार्पण किया जा रहा है। प्रदेश के मध्यकालीन लक्ष्यों में 2022 तक सभी आंगनवाड़ी केन्द्रो को शासकीय भवनो में संचालित किये जाने का लक्ष्य रखा गया है।

8. **डिंडौरी जिले के तेजस्विनी समूहों द्वारा उत्पादित कोदो बर्फी एवं कोदो खिचड़ीः** प्रदेश के 6 आदिवासी बहुल जिलों में विभाग अन्तर्गत महिला वित्त विकास निगम के तेजस्विनी महिला स्व सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को सामाजिक विकास के साथ–साथ आर्थिक उपार्जन कार्य में संलग्न किया गया हैं। जिला डिंडौरी में तेजस्विनी महिला स्वं सहायता समूहों द्वारा स्थानीय स्तर के कृषि उत्पाद कोदों से बच्चों एवं महिलाओं को प्रदाय किये जा सकने वाले पोषण आहार के व्यंजन तैयार किये गये हैं। तेजस्विनी समूहों द्वारा उत्पादित कोदो बर्फी एवं कोदो खिचड़ी बच्चों एवं महिलाओं के पूरक पोषण आहार के रूप में उपयोग में लायी जावेगी।

नवाचार

9. **आंगनवाड़ी रेडियो– एंड्रॉयड एपलीकेशनः** आंगनवाड़ी रेडियो एक ऐसा मंच है, जहां सभी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और लाभार्थी ऑन–डिमांड रेडियो को कनेक्ट और सुन सकते हैं। यह मंच आम जनता और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को महत्वपूर्ण जानकारी प्रसारित करने के लिए है। कोई भी प्ले स्टोर से ऐप इंस्टॉल कर सकता है और कभी भी, कहीं भी आंगनवाड़ी रेडियो सुन सकता है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ऑडियो में सामग्री को रिकॉर्ड कर सकती है और आंगनवाड़ी रेडियो पर प्रसारित कर सकती है। क्षेत्रीय और जनजातीय भाषाओं में भी सामग्री उपलब्ध है।

पोषण संकल्प

मैं अपने प्रदेश को सुपोषित प्रदेश के रूप में निर्माण हेतु तैयार राज्य पोषण प्रबंधन रणनीति के अनुसार अपने समुदाय में हर प्रकार के कुपोषण को खत्म करने हेतु प्रतिबद्ध हूँ।

हम सभी प्रदेशवासी संकल्प लेते है कि हम समेकित स्वास्थ्य–पोषण रणनीति का प्रभावी क्रियान्वयन करेंगें। मन, वचन, कर्म से यह प्रयास करेगें कि हमारा प्रदेश एनीमिया एवं कुपोषण मुक्त होकर विकास की ओर अग्रसर होकर सुपोषित प्रदेश बने।